BA-1
मैथिली (वैकल्पिक/सामान्य)

प्रो० संजीत कुमार राम
अतिथि शिक्षक
मैथिली विभाग
R.S.J. college Rajnagar
Madhubani (Bihar)

## सूर्यमुखी

सूर्यमुखीक रचियता छथि आरसी प्रसाद सिंह। हिनक रचनाक मुख्य गुण थिक सरलता, कोमलता, मधुर शब्द विन्यास ओ संवेदनशील भावाभिव्यंजना ई समाज सापेक्ष कविताक रचना कए देश प्रेमक चित्रण करलनि। सूर्यमुखी मुक्तक काव्यसंग्रह मे 62 गीत पद अछि। तकरामे मुक्तक मुक्तावलीमे छोट-छोट शीर्षकमे 36 गीत मुक्तक अछि।

'सूर्यमुखी' काव्य-संग्रह मध्य कतेको रचना एहि तरहक अछि जाहिमे राष्ट्रवाद, मातृभूमि, मातृभाषा ओ देश-प्रेमक भाव अछि। यथा, 'राष्ट्रगीत', 'मुक्तिशक्ति', 'क्रान्तिदूत', मैथिली मैयिमे आदि। भारत सन विभिन्नतामे एकताक देश पर कविकें

गर्व होमे, तैं राष्ट्रीय एकताक सन्देश एहि नाम मुखरित भेल अछि। देशक आजादीक बाद देशमे धार्मिक उन्माद भेल छल आ तकर प्रभाव हित-मित रूपें एखनहुँ देखबामे आबैत अछि। आपसी कलह एक बात अछि, मुदा कलहक पाछाँक राजनीति अथवा समाजक बाहरी तत्व द्वारा देशक एकता ओ अखंडता पर प्रहार करबाक मानसिकता सँ कविकें विरोध छन्हि। "हम एक छी" काव्यमे कविक भाव देखल जाए. — "एक ही जीवन मरणमे, एक हम धर्माचरणमे। भिन्नता हो बाहरी जे से, एक हम अन्तः करणमे।

किन्तु, कोनो शत्रु सीमा, लाँघि दुस्साहस करए जँ कोटि कंठक गर्जना, हम एक छी, हम एक छी।"

"हमर देश जागल" शीर्षक कवितामे भारती प्रसाद सिंहक दृष्टि भौतिक ओ बौद्धिक उज्जवलताक कामना करैत अछि"

एहिना "राष्ट्रगीत' शीर्षक कवितामे कवि अपन देशक गौरवपूर्ण परम्पराक जयघोष करैत छथि। गौरवपूर्ण परम्पराक जयघोषक मुख्य कारण अछि युगक जनसामान्य कें आत्मबोध करयबाक रहैत छल। फलतः आत्मबोध अथवा देश-बोध आ तकर जन-जागरण ई हु गीत लक्ष्य गौरवगाथा अछि कारण। आजुक नव पीढ़िक लोक अपन परम्परा, अपन संस्कृति, अपन माटि-पानिसँ दूर होइत जा रहल अछि। कविक वर्णन देखू - "आइ पावनि, पर्व पुण्यक, मुदित वीणा, आइ पुलकित प्राण, लोकक मौन वीणा - आइ जे विजयी ध्वजा फहरा रहल छइ। आइ जे आनन्द धारामे बहल छइ।"